श्री नवाबसिंह चौहान : क्या मनानीय मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या कारण है कि सरकार इनको लेने में असफल रही है ? अगर मूल्य का प्रश्न है तो कितना मूल्य मांगा जा रहा है और सरकार कितना देने को तैयार है ?

श्री राम सुभग सिंह : असफलता तो थोड़ी है मगर असल मे ऐसा है कि उन्होंने कहा कि जब से मैंने उस शेर को पकड़ा है तब से उन पर पांच लाख रुपया व्यय किया है और हमें यह एक भारी रकम जाना पड़ी। इस लिये पांच लाख रुपया उनको देने को सरकार तैयार नही हुई और हमने उनसे कहा कि यह अगर मुफ्त में गिफ्ट दे सकें तो दीजिये । अब उसके बारे में परामर्श हो रहा है ।

شری اے - ایم - طارق : یہ تو سنا تھا کہ سفید ہاتھی بہت مہنگا پڑ ہے مگر شیر کے بارے میں ایسا نہیں سنا تھا - میں یہ جاننا چاہوں گا کہ اس سفید شیر کو ایک خاص کام کے لئے لینے کے بارے میں مہاراجہ ریوا کو کچھ فورن کنٹریز سے بھی آفر ملی تھی تو جب اس سلسلہ میں ان سے ہماری ایک بات چیت ہوئی ہے تب کیا سرکار ان سے ایک شیر خریدے گی اور ایک سے چھ بنانے کی کوشش کریگی ؟ کیا اس پر گورنمنٹ نے کچھ سوچا ہے ؟

‡[**श्री ए० एम० तारिक** : यह तो सुना था कि सफेद हाथी बहुत मंहगा पड़ता है मगर शेर के बारे में ऐसा नहीं सुना था । मैं यह जानना चाहूंगा कि इस सफेद शेर को एक खास काम के लिये लेने के बारे में महाराजा रीवा को कुछ फारन कन्ट्रीज से भी आफर मिली थी तो जब इस सिलसिले में उनसे हमारी एक बातचीत हुई है। तब क्या सरकार उनसे एक शेर खरीदेगी और एक से ६ बनाने की कोशिश करेगी ? क्या इस पर गवर्नमेंट ने कुछ सोचा है ?

श्री राम सुभग सिंह : इस बारे में विचार किया गया है । पहले जब उनसे निवेदन किया गया था कि इसे आप दे दें तो उन्होंने बिल्कुल इंकार भी नहीं किया और आज भी वे पूरी तरह इंकार नही कर रहे हैं । अब यह कोशिश हो रही है कि उनके चार सफेद शेरों को ले लिया जाय और उनमें से दो को वहीं रीवा में रखा जाये और दो को यहां नई दिल्ली के जू में रखा जाय ताकि उनसे और शेर पैदा हों । इस बाबत बातचीत चल रही है और इसके लिये मध्य प्रदेश सरकार से भी कहा गया है कि वे लोग भी देखें और दो को उपलब्ध करायें ।

दिल्ली के चिड़ियाघर के वासियों को सांप तथा गोदड़ों से खतरा

*५३०. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के चिड़ियाघर के आस पास की झाड़ियों में सांप तथा गोदड़ भारी संख्या में रहते हैं और चिड़ियाघर के वासियों को हानि पहुचाते हैं ; और

(ख) यदि हां, तो इस खतरे को दूर करन के लिये क्या क्या प्रयत्न किये जा रहे हैं और वे कहां तक सफल हुये हैं ?

†[MENACE FROM SNAKES AND JACKALS TO INMATES OF DELHI ZOOLOGICAL PARK

*530. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

†[ ] Hindi translation.

†[ ] English translation.

(a) whether it is a fact that a large number of snakes and jackals live in the shrubs around the Zoological Park at Delhi and inflict harm on the inmates of the Zoological Park; and

(b) if so, what efforts are being made to remove this menace and how far those steps have been successful?]

खाद्य तथा कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री राम सुभग सिंह) : (क) जी, हां ।

(ख) चिड़ियाघर क्षेत्र के एक बड़े भाग का विकास होना अभी बाकी है। अविकसित क्षेत्र में ही सांप और गीदड़ आश्रय पाते हैं । गीदड बाहर से भी आ जाते हैं । चिडियाघर का विकास होने पर यह भय अपने आप ही दूर हो जायेगा । इसी बीच में विभागीय श्रमिक गीदड़ों को मारने में लगे हुये हैं । पिछले ६ महीनों में लगभग २ दर्जन गीदड़ और २६ सांप मारे जा चुके है । रात्रि के चौकीदार जानवरों के अहातों के समीप निरन्तर चौकसी रखते हैं । इस प्रकार आकस्मिक दुर्घटनाओं के अवसर बहुत कम हो गये हैं, यद्यपि यह भय बिल्कुल दूर करना अभी सम्भव नहीं हो सका है ।

†[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI RAM SUBHAG SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) A major part of the Zoo area still remains to be developed. It is the undeveloped area that harbours snakes and jackals. Jackals come from outside as well. With the development of the park, the menace will cease automatically. Meanwhile, departmental labour is deployed to kill the jackals. About 2 dozen jackals and 26 snakes have been killed during the past six months. Night chowkidars keep a constant vigal near the animal enclosures. Thus, the chances of casualties are much reduced, though it has not yet been possible to eliminate the menace altogether.]

†[ ] English translation.

श्री नवाबसिंह चौहान : अब तक कितनी कैजुअल्टीज़ इनके कारण हो चुकी हैं ?

श्री राम सुभग सिंह : उनके काटने से ?

श्री नवाबसिंह चौहान : जी हां ।

श्री राम सुभग सिंह : गीदड़ों के काटने से १५ जानवर मरे और सांपों के काटने से ६ जानवर मरे, पहली जनवरी, १९६२ से ।

STORING OF FOODGRAINS IN WAREHOUSES

*531. SHRI KRISHNA CHANDRA: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether the ware-houses maintained by the Central Warehousing Corporation store foodgrains and other agricultural products purchased by Government as well as those stored by producers on their own account;

(b) if so, whether separate figures for both the above categories are maintained; and

(c) if the answer to part (b) above be in the negative, how Government find out the extent of use made by the producers for storing their produce?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOOD (SHRI A. M. THOMAS): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Figures for total quantity of foodgrains and agricultural products by actual producers are maintained, but figures of each category of foodgrain or agricultural product are not readily available.

SHRI KRISHNA CHANDRA: May I know, Sir, when the figures for both these categories are not maintained, how the Government is in a position to know the extent of use made by the producers to store their foodgrains?

SHRI A. M. THOMAS: That can be easily known. The four categories according to the type of depositors, namely, Government producers, cooperatives and merchants are main-